मंगलवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

04 मार्च 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 38
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पत्थरबाज पार्षद गिरफ्तार

❑रविवार को शोरूम के बाहर बाइक खड़ी करने को लेकर हुआ था विवाद

हमारे संवाददाता

देहरादून। शोरूम में हुई मारपीट, तोड़-फोड़ व धार्मिक भावनाओं को भड़काने के प्रयास के मामले में पुलिस ने क्षेत्र के पार्षद सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले मे तीन आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार किये जा चुके है।

विदित हो कि बीते रविवार को सर्वहारा नगर में बाइक शोरूम स्वामी रंजीत सिंह और पार्षद वीरपाल सिंह के बीच शोरूम के बाहर रास्ते पर बाइक पार्क किये जाने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद ने थोड़ी ही देर बाद विकराल रूप ले लिया जिसमें मारपीट और पथराव की घटना को भी अंजाम दिया गया। मामले में दोनो पक्षों की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गयी थी। मामले में पुलिस ने जब जांच की तो आरोपी के रूप में पार्षद व उसके साथियों के नाम सामने आये। जिस पर पुलिस ने आरोपी पार्षद वीरपाल पुत्र पन्ना लाल व उसके साथियों कैलाश पुत्र धर्मवीर तथा सूरज जाटव पुत्र धर्मवीर निवासी सर्वहारा नगर की गिरफ्तारी के लिये पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश के नेतृत्व में अलग- अलग टीमें गठित कर लगातार आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी गयी। जिन्हे कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आज तड़के सुबह हिरासत में ले लिया गया। पुलिस द्वारा तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से गुरुद्वारा साहिब जाकर अपनी गलती की क्षमा मांगने के संबंध में भी एक पोस्ट भी किया है। वहीं दून पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि कृपया संयम बनाये रखे, पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

विकास के नाम पर विनाश

उत्तराखंड जो अभी कुछ समय पहले तक उत्तर प्रदेश का हिस्सा था अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण स्वच्छता के लिए देश ही नहीं विश्व भर में अपनी एक अलग पहचान रखता था। बात अगर दून घाटी की जाए तो देहरादून शहर अपने पर्यावरणीय सौंदर्य और शिक्षा की गुणवत्ता के कारण देश के उन शहरों में शुमार किया जाता था जहां सबसे स्वच्छ आबो हवा का और शांति का एहसास होता था। लेकिन अलग राज्य बनने के बाद जिस तेजी से दून के पर्यावरण में जो परिवर्तन आया है वह अत्यंत ही विस्यमयकारी है। जिसने भी 30 साल पहले के उत्तराखंड और दून घाटी को देखा है उन्हें यह स्थिति परिवर्तन इतना अधिक खलता है कि वह बरबस ही यह सोचने पर विवश हो जाते हैं कि विकास के नाम पर यह कैसा विनाश हो रहा है? या यह कहे कि यह विकास है अथवा विनाश है, तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। कुछ पर्यावरण प्रेमियों द्वारा दून में ऋषिकेश हाईवे निर्माण के लिए 3000 से अधिक पेड़ों का कटान रोकने को लेकर शांति मार्च निकाला गया। इस मार्च से पेड़ों का कटान रूक पाएगा यह संभावना बहुत कम है क्योंकि सरकार विकास के कामों को किसी भी कीमत पर रोकना नहीं चाहती है दून से ऋषिकेश की दूरी का 15 मिनट का समय कम होना ज्यादा महत्वपूर्ण है बजाय 3000 पेड़ काटने के। अगर ऐसी सोच न रही होती तो दून में आम और लीची के पेड़ अभी बसंत काल में अपनी भीनी-भीनी मादकता बिखेर रहे होते और घाटी में बासमती की फसल लहलहा रही होती जो विश्व भर में अपने नाम से जानी जाती थी। पहाड़ के पर्यावरण को बनाए रखने और बचाए रखने के लिए पर्यावरण प्रेमियों ने बहुत प्रयास किए हैं चिपको आंदोलन से लेकर बीते कल किए गए शांति मार्च तक इसका एक लंबा इतिहास है लेकिन उनकी आवाज अब विकास की इस अंधी दौड़ के समय में कोई सुनने वाला नहीं है। पहाड़ के जंगलों में अब हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट तो सुनी जा सकती है लेकिन पक्षियों की पहचान और जंगली जानवरों की वह आवाज गायब हो चुकी है। 1990 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दून के पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जो विशेष दिशा निर्देश दिए गए जिसमें माईनिंग पर रोक, वृक्षो के कटान पर तथा सेलेटर हाउस पर प्रतिबंध जैसी व्यवस्थाएं की गई थी अब विकास के नाम पर उन सभी को तोड़ दिया गया है ऐसी स्थिति में अगर आप यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि उत्तराखंड को उसके मूल स्वरूप में लौटा पाना संभव है तो वह आपका भ्रम ही कहा जा सकता है वास्तविकता यह है कि पर्यावरण सुरक्षा की खेती को तो चिड़िया पहले ही चुग चुकी है स्टोन क्रशरों की गड़गड़ाहट को सुनिए, रेल और हेलीकॉप्टर तथा रेल के सफर को तैयार रहिए भले ही एक दिन दून में भी दिल्ली जैसा दम गोटू वातावरण क्यों न हो जाए। आपकी बात को अब कोई सुनने वाला नहीं है क्योंकि आप विकास के उसे घोड़े पर सवार हो चुके हैं जिसकी लगाम आपके हाथों में नहीं है। विकास का यह रास्ता भले ही आपको व आने वाली पीढियां को विनाश की भट्टी में झौंक दे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राजकुमार चाहर ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान किसान कल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लिए स्वीकृत की धनराशि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न योजनाओं के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में जनपद उत्तरकाशी के विधानसभा क्षेत्र यमुनोत्री के विकासखण्ड नौगांव में क्वालगांव झुमराड़ा मोटर मार्ग के अवशेष भाग में सुदृढीकरण एवं डामरीकरण कार्य हेतु 329.71 लाख, विधानसभा क्षेत्र पुरोला के विकासखण्ड नौगांव सयूरी मोटर मार्ग के अवशेष भाग में सुदृढीकरण एवं डामरीकरण कार्य हेतु 469.53 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद अल्मोड़ा में एन.एच. 109 के कि.मी. 73 से विकास भवन होते हुए न्यू कलेक्ट्रट अल्मोड़ा एवं मेडिकल कालेज अल्मोड़ा तक मोटर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुधारीकरण के कार्य हेतु 830.52 लाख, जनपद नैनीताल के हल्द्वानी स्थित बनभूलपुरा से हटाये गये अवैध अतिक्रमण की भूमि पर थाना बनभूलपुरा का निर्माण किये जाने हेतु 390.16 लाख, जनपद चम्पावत में थाना बनबसा हेतु नवीन भवन के निर्माण हेतु 422.43 लाख, एडवान्स ट्रेनिंग सेन्टर के द्वितीय फेज एवं राजकीय पालीटेक्निक, चम्पावत में रिटेनिंगवाल व आन्तरिक सडक के निर्माण हेतु कुल 593.39 लाख, जनपद चमोली की गोपेश्वर शाखा के अन्तर्गत मायापुर पेयजल योजना में आरबीएफ नलकूप निर्माण एवं तत्संबंधी कार्यों की योजना हेतु 415.37 लाख, जनपद देहरादून के नया गांव हाथीबड़कला पेयजल योजना हेतु 619.66 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री धामी द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत वर्ष 2024-25 में विधानसभा क्षेत्र रूद्रपुर के ग्रामीण क्षेत्र में हरिचांद गुरूचांद बंग विशाल सामुदायिक भवन का निर्माण किये जाने हेतु 41.514 लाख, विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ की ग्राम पंचायत देवताल गांव सिबलो का चटकेश्वर महादेव मेला

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

यूपीएस कर्मचारियों के साथ धोखा, विधायकों की तर्ज पर हो पेंशन योजनाः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार यूपीएस कर्मचारियों के साथ धोखा कर रही है, विधायकों की तर्ज पर लागू हो पेंशन योजना।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि कल ही सरकार द्वारा कैबिनेट में प्रदेश के सरकारी कार्मिकों हेतु यूपीएस (यूनिफाइड पेंशन स्कीम) को मंजूरी दी गई है, जोकि सिर्फ और सिर्फ कर्मचारियों की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। नेगी ने कहा कि एक और जहां कर्मचारी वर्षों /दशकों तक सेवा करने के उपरांत भी समुचित पेंशन का हकदार नहीं रहता, वहीं दूसरी और विधायक शपथ ग्रहण करते ही/ मृत्यु होने अथवा तुरंत त्यागपत्र देते ही आजीवन पेंशन/ पारिवारिक पेंशन का अधिकार हो जाता है।

ऐसे में यह दोहरा मापदंड निश्चित तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है यानी कर्मचारियों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। आलम है कि सरकार सिर्फ और सिर्फ विधायकों को धन्ना सेठ बनाने की सोच रही है, लेकिन कर्मचारियों के बारे में नई -नई बेफिजूल योजनाएं/ नए-नए अविष्कार लाकर समय जाया कर रही है। जब सरकार ने प्रदेश को कंगाल बनाने की सोच ही ली है तो इन कर्मचारियों के साथ भेदभाव क्यों। क्यों नहीं विधायकों जैसा मापदंड अपनाया जा रहा। मोर्चा सरकार की यूनिफाइड पेंशन स्कीम का विरोध करता है तथा मांग करता है कि ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) लागू करे अथवा विधायकों की तर्ज पर ही कार्मिकों की पेंशन योजना लागू करे।

7 दिवसीय शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत लक्ष्य गीत, संकल्प गीत व योग क्रियाओं के साथ हुई

संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पत्थरचट्टा, रुद्रपुर में संचालित हो रहा है।

शिविर के तीसरे दिन शिविरार्थियों के दिन की शुरुआत लक्ष्य गीत, संकल्प गीत और राष्ट्रगान के पश्चात योग क्रियाओं के साथ हुई । सुबह के नाश्ते के पश्चात शिविरार्थियों ने विद्यालय परिसर में उगी झाड़ियों की कटाई कर और मैदान का समतलीकरण कर श्रमदान किया। इसके साथख़साथ स्वयंसेवियों द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पत्थरचट्टा के चबूतरे को पेंट किया गया तथा पेड़ों पर रंगीन वलय बनाकर उनका सौंदर्यीकरण किया गया ।

शिविर के तीसरे दिन के बौद्धिक सत्र में 'युवाओं के सामाजिक सरोकार' विषय पर बोलते हुए राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो.शम्भू दत्त पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर विद्यार्थियों के जीवन में अनोखे अनुभव लेकर आता है। राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को यह अवसर प्रदान करता है कि वे पठन-पाठन की दिनचर्या से बाहर आकर अपने सामाजिक सरोकारों से परिचित होते हैं। रुद्रपुर के सृजन पुस्तकालय की संयोजक श्रीमती उषा टम्टा ने उपस्थित स्वयंसेवियों को पुस्तकों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया । आपने बताया किस तरह से किताबें आपके व्यक्तित्व को नए आयाम प्रदान करती हैं ।

बौद्धिक गोष्ठी का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी अनामिका सिंह और शुवांशु बिष्ट ने इस बौद्धिक गोष्ठी का संचालन किया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ स्वयंसेवी विजय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अलंकृता सिंह, डॉ. शिल्पी अग्रवाल एवम शिविर के स्वयंसेवी मौजूद रहे।

वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या

हिमानी रावत

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्वभर में करीब 9० प्रतिशत बच्चे, जिनकी कुल संख्या लगभग 1।8 अरब है, ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। भारत के कई इलाकों में इन दिनों वायु प्रदूषण को लेकर स्थिति बहुत विकराल है। दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 4०० के पार है, जबकि यह 5० से कम रहना चाहिए। वैसे वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुका है, जिससे कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ फेडरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण के कारण दिल की बीमारियों से होने वाली मौतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार हवा में छोटे प्रदूषक (अदृश्य कण) हृदय की लय, रक्त के थक्के जमने, धमनियों में ब्लॉक बनने और रक्तचाप को प्रभावित कर रहे हैं। वायु प्रदूषण का खतरा सबसे ज्यादा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर बना है क्योंकि वे बहुत संवेदनशील होते हैं और जहरीली हवा की चपेट में जल्दी आते हैं। दरअसल वयस्कों की तुलना में छोटे बच्चे ज्यादा तेज गति से सांस लेते हैं, जिससे उनके शरीर में प्रदूषण के कण तेजी से तथा ज्यादा मात्रा में चले जाते हैं। इसी कारण वायु प्रदूषण छोटे बच्चों को बहुत जल्दी अपनी चपेट में लेता है और उनमें अस्थमा से लेकर फेफड़ों के संक्रमण तक कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क और दूसरे अंगों पर भी प्रभाव पड़ता है। बच्चों में प्रदूषित हवा के कारण निमोनिया, फेफड़ों की समस्याएं, कमजोर दिल, ब्रोंकाइटिस, साइनस और अस्थमा जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारण हैं। अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। बच्चों पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर दुनियाभर में समय-समय पर परेशान करने वाली रिपोर्टें सामने आती रही हैं। किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कई अध्ययनों में बताया जा चुका है कि गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है। एम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा खतरनाक है।

कुल मिलाकर प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर है। ऐसा नहीं है कि यह समस्या केवल ठंड के दिनों में ज्यादा होती है। अब तो स्थिति यह है कि वर्षभर प्रदूषण से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों को तो गंभीर प्रयास करने ही चाहिए लेकिन आम जनता के बीच भी व्यापक जन जागरण की जरूरत है। जाहिर है अभी भी देश की जनता पर्यावरण प्रदूषण के प्रति उतनी जागरूक नहीं है जितनी होना चाहिए।

जिम्मेदारियों का निर्वहन

सुप्रीम कोर्ट ने कार्यस्थल पर वरिष्ठों के बर्ताव को लेकर बड़ा फैसला दिया है। कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट-फटकार को इरादतन किया गया अपमान नहीं माना जा सकता, जिस पर आपराधिक कार्यवाही की जरूरत हो। ऐसे मामलों में व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक आरोप लगाने की अनुमति देने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पीठ ने कहा महज गाली-गलौच, असभ्यता व अशिष्टता भारतीय दंड संहिता की धारा 5०4 के तहत आदतन किया गया अपमान नहीं है। यह धारा शांति भंग करने के इरादे से जान-बूझकर अपमान करने से संबंधित है, जिसमें दो साल की सजा का प्रावधान है। मामले में राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण संस्थान के कार्यवाहक निदेशक पर सहायक प्रोफसर को अपमानित करने का आरोप था। शिकायतकर्ता के अनुसार निदेशक ने अन्य कर्मचारियों के समक्ष डांटा व फटकारा था। यह सच है कि कार्यस्थल से संबंधित अनुशासन और कर्तव्यों के निर्वहन से जुड़ी फटकार, जो व्यक्ति कार्यस्थल पर प्रबंधन करता है, वह अधीनस्थों से अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा व समर्पण से पूरी करने की उम्मीद करेगा। हालांकि स्पष्ट तौर पर देखने में आता है कि अनुशासन के नाम पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों के साथ संतुलित बर्ताव का अभाव नजर आता है। लहजा गलत हो भी तो नीयत बुरी नहीं होनी चाहिए, परंतु इस बारीक अंतर को समझना या समझा पाना भी आसान नहीं है। सेना के सख्त अनुशासन के दरम्यान कई बार ऐसी खबरें आती रहती हैं, जहां नीचे के ओहदे के सैनिक द्वारा अपने अधिकारी की हत्या तक कर दी गई।

तय रूप से काम का दबाव, उच्च दर्जे की तामील, पाबंदियां और तय वक्त पर जिम्मेदारियों का निर्वहन अधिकारियों के जेहन पर खासा दबाव बनाते हैं। वे भी तनावग्रस्त या काम के बोझ के चलते सामान्य बर्ताव करने से चूक सकते हैं। यहां बात सिर्फ उच्चाधिकारियों या कनिष्ठों तक ही सीमित नहीं है।

कार्य-स्थल पर अभद्र भाषा या गाली-गलौच करने वाले अशिष्ट अधिकारियों के बर्ताव को लेकर भी कर्मचारी क्षुब्ध रहते हैं। ज्यों कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ होने वाले उत्पीडन् व अभद्र बर्ताव को लेकर कानून बनाए गए हैं। वैसे ही समस्त कर्मचारियों के हित में भी व्यवहारगत संहिता लागू किए जाने की जरूरत है। मानवता कहती है, ओहदे ऊपर-नीचे होने से दोयम बर्ताव करने का हक किसी को नहीं दिया जा सकता। यह नियम मालिकान व मुलाजिम पर भी लागू होता है।

अंगूर खाने से फुर्तीला रहता है शरीर

अंगूर सारे भारत में आसानी से उपलब्ध फल है। वहीं कई लोगों के पसंदीदा फलों में भी इसका नाम शामिल है। जी दरअसल इसमें विटामिन-सी तथा ग्लूकोज पयाप्त मात्रा में पाया जाता है और यह शरीर में खून की वृद्धि करता है और कमजोरी दूर करता है। जी हाँ और यही कारण है कि डॉक्टर लोग मरीजों को फलों में अंगूर भी खाने की सलाह देते हैं। आपको बता दें कि प्रत्येक 1०० ग्राम अंगूर में लगभग 85.5 ग्राम पानी, 1०.2 ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स, ०.8 ग्राम प्रोटीन, ०.1 ग्राम वसा, ०.०3 ग्राम कैल्शियम, ०.०2 ग्राम फास्फोरस, ०.4 मिलीग्राम आयरन, 5० मिलीग्राम विटामिन-बी, 1० मिलीग्राम विटामिन-सी, 8.4 मिलीग्राम विटामिन-पी, 15 यूनिट विटामिन-ए, 1०० से 6०० मिलीग्राम टैनिन, ०.41-०.72 ग्राम टार्टरिक अम्ल पाया जाता है।

जी हाँ और इसके अतिरिक्त सोडियम क्लोरॉइड, पोटेशियम क्लोरॉइड, पोटेशियम सल्फेट, मैग्निशियम तथा एल्युमिन जैसे महत्वपूर्ण तत्व भी इसमें भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। अंगूर में पाई जाने वाली शर्करा पूरी तरह से ग्लूकोज से बनी होती है, जो कुछ किस्मों में 11 से 12 प्रतिशत तक होती है और कुछ में 5० प्रतिशत। जी दरअसल यह शर्करा शरीर में पहुंचकर एनर्जी प्रदान करती है। आपको बता दें कि

अंगूर का सेवन थकान को दूर कर शरीर को चुस्त-फुर्त व मजबूत बनाता है। अब हम बताते हैं अंगूर के फायदे।

अंगूर में क्षारीय तत्व बढ़ाने की अच्छी क्षमता के कारण ही शरीर में यूरिक एसिड की अधिकता, मोटापा, जोड़ों का दर्द, रक्त का थक्का जमना, दमा, नाड़ी की समस्या व त्वचा पर लाल चकत्ते उभरने आदि स्थितियों में इसका सेवन लाभकारी होता है।

अंगूर का सेवन, आंत, लीवर व पचान संबंधी अन्य रोगों, मुंह में कड़वापन रहना, खून की उल्टी होना, गुर्दे की कार्यक्षमता में कमी, कब्जियत, मूत्र की बामारी, अतिसार कृमि रोग, टीबी (क्षय रोग), अम्ल-पित्त, गुल्म रोग (गांठ) और ग्रहणी आदि रोगों में विशेष लाभकारी होता है।

अगर किसी ने धतूरा खा लिया हो, तो उसे अंगूर का सिरका दूध में मिलाकर पिलाने से काफी लाभ होता है। अंगूर मियादी बुखार, मानसिक परेशानी, पाचन की गड़बड़ी आदि में असरदार है।

अंगूर में एक विशेष गुण यह भी पाया जाता है कि यह शरीर में मौजूद विषैले तत्वों को आसानी से शरीर से बाहर निकाल देता है।

अंगूर के रस को कलई के बर्तन में पकाकर गाढ़ा करके सोते समय आंखों में लगाने से जाला, फूला आदि नेत्र रोगों दूर हो जाते हैं। जिन महिलाओं को पर्याप्त दूध न उतरता हो, उनके लिए भी इसका सेवन फायदेमंद है।

घर के कांच में लगे हैं दाग तो इन घरेलू नुस्खों से करें साफ़

हमेशा देखा गया है कि हम घर में सफाई के दौरान फर्नीचर, फर्श, पर्दे, चादर आदि को तो साफ कर देते हैं हालाँकि घर के कोने में पड़े आईने को भूल जाते हैं। ऐसे में जब कभी इन्हें साफ करने की बात आती है तो सफाई के बाद भी आईने पर दाग धब्बे पूरी तरह नहीं जाते। जी हाँ और दाग धब्बेदार आईने के चलते चेहरा भी साफ नहीं दिखता और हम परेशान होकर इन्हें साफकरना ही छोड़ देते हैं। वहीं आप कई बार बाजार में मिलने वाले मिरर क्लीनर का इस्तेमाल करते होंगे जो काफी महंगा होता है। वैसे अगर आप आईने को साफ रखने के बारे में सोच रहे हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे आजमा सकते हैं जिनके बारे में हम आपको बताने है रहे हैं।

कागज का करें इस्तेमाल- अगर आप आईने का साफकरने के लिए कपड़े की बजाय कागज का इस्तेमाल करें तो इससे शीशे पर जमी नमी को आसानी से हटाया जा सकता है।

टेलकम पाउडर- टेलकम पाउडर की मदद से भी आप आईने को बेहतर तरीके से चमका सकते हैं। जी हाँ और इसके इस्तेमाल से आईने पर दाग नहीं होता। इसको इस्तेमाल करने के लिए आप आईने पर थोड़ी देर के लिए टेलकम पाउडर को छिडक़कर छोड़ दें और फिर बिना छुए डस्टर से साफकर दें।

व्हाइट वेनेगर का इस्तेमाल- अगर दाग गहरा है तो आप गुनगुने पानी में एक चम्मच व्हाइट वेनेगर डालकर मिलाएं और स्प्रे बॉटल में रखें। उसके बाद इससे शीशे पर स्प्रे करें और फिर कागज से शीशा साफ कर दें।

शरीर में खून की कमी होने पर पैरों में होती है ये दिक्कत, जानिए हीमोग्लोबिन बढ़ाने का आसान तरीका

हमारा शरीर किसी भी तरह की दिकक्त होने पर अलग-अलग तरीके से संकेत देता है। अंदरूनी तकलीफ होने पर इसके लक्षण कभी चेहरे पर दिखते हैं तो कभी हाथ-पैरों में। शरीर में जब हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है, तो पैरों में इसका असर दिखने लगता है। शरीर में ब्लड की कमी होने पर एनीमिया नाम का रोग हो जाता है। इसके चलते चक्कर आना, थकान, चेहरे का रंग पीला पडऩे जैसी समस्याएं होती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट रामिता कौर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए बताया कि शरीर में खून की कमी होने पर क्या दिक्कत होती है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

खून की कमी होने पर पैर हमेशा रहते हैं ठंडे

उन्होंने बताया कि अगर आपके पैर हर वक्त ठंडे रहते हैं या फिर पैरों में मोजे या जूते पहनने के बाद भी ठंडापन बना रहता है, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर में आयरन की कमी

हो। आयरन ही हीमोग्लोबिन का निर्माण करता है। इससे ऑक्सीजन को शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने में मदद करता है। इसकी कमी से रक्त संचार प्रभावित होता है। जिसके चलते पैरों में ठंडापन बना रहता है।

शरीर में ब्लड कम होने पर पैरों में होती झुनझनी या सुन्नता

जिन लोगों के शरीर में हीमोग्लोबिन कम होता है तो उनके पैरों में ताकत की कमी हो सकती है। पैरों में बार-बार झुनझनी या सुन्नता हो सकती है। जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में खून नहीं होता है, तो नसों तक ऑक्सीजन नहीं पहुंचती है,जिससे यह समस्या हो सकती है।

शरीर में खून की कमी दूर करने के लिए क्या करें

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, सरसों खाएं।

सूखे मेवे, काले किशमिश, अंजीर, सूखा आलूबुखारा खा सकते हैं।

अनार और चुकंदर को डाइट में शामिल करें।

गुड़ और तिल का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

महादेव की भक्ति में साध्वी बनीं तमन्ना भाटिया, दिखाया रौद्र रूप

तमन्ना भाटिया अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपने फैंस का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। अपनी फिल्म ओडेला 2 का पोस्टर जारी करने के बाद शनिवार, 22 फरवरी को महाकुंभ में इसका टीजर लॉन्च किया गया था। तमन्ना के साथ ओडेला 2 के डायरेक्टर अशोक तेजा, प्रोड्यूसर मधु, संगीतकार अजनीश लोकनाथ औरसंपत नंदी भी थे। ओडेला 2 टीजर की शुरुआत गंगा नदी के किनारे एक शिवलिंग से होती है। इसके तमन्ना भाटिया की झलक दिखाई गई है, जो एक साध्वी के रूप में नजर आती हैं। वह एक गंभीर भूमिका में हैं। तमन्ना का लुक और किरदार काफी अलग और आत्मविश्वास से भरपूर दिख रहा है।

यह फिल्म एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो तमन्ना के किरदार की अच्छाई और बुराई के बीच शाश्वत युद्ध पर केंद्रित है। टीजर से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म की कहानी अलौकिक शक्तियों और भक्ति दोनों पर आधारित है। ओडेला 2 का निर्देशन अशोक तेजा ने किया है और इसका निर्माण संपत नंदी टीमवर्क्स ने किया है।

ओडेला 2 का निर्देशन अशोक तेजा ने किया है और इसका निर्माण संपत नंदी ने किया है। संपत नंदी का कहना है कि तमन्ना ने इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की है। संपत नंदी ने एक इंटरव्यू में ओडेला 2 के बारे में बताया कि ओडेला 2 का पहले पार्ट से भी ज्यादा दमदार होगी।

उन्होंने कहा, तमन्ना इस फिल्म में साधु की भूमिका निभा रही हैं, जो शिव शक्ति की भूमिका है, जो उनके लिए पहली बार है। साथ ही, फिल्म की शैली ऐसी थी, जिसका हिस्सा वह पहले कभी नहीं बनी थीं, इसलिए वह इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड थीं। हालांकि उनके पास तैयारी के लिए कम समय था, लेकिन उन्होंने कई साधुओं को देखा और उनकी शारीरिक भाषा को समझा। बदलाव लाने की उनकी क्षमता सिर्फ उनकी प्रतिभा की वजह से हुई है।

उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने खुद को इस फिल्म के लिए तैयार किया है और अपने लेवल को बढ़ाया है, वह अद्भुत है। उनका जुनून आज भी वैसा ही है और यह बहुत प्रेरणादायक है।

तमन्ना ने 2024 में स्त्री 2 के चार्ट-टॉपिंग गाने आज की रात में अपनी स्पेशल अपीयरेंस के साथ म्यूजिक चार्ट पर अपना दबदबा बनाया, जो साल का सबसे बड़ा हिट बन गया। उनका शानदार प्रदर्शन शहर में छाया रहा।

नितेश तिवारी की रामायण में रावण बनेंगे यश, शूटिंग शुरु

कन्नड़ सुपरस्टार यश ने रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर रामायण की शूटिंग शुरू कर दी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म में यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

रामायण में भगवान राम की भूमिका रणबीर कपूर निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता का किरदार निभाती नजर आएंगी। रणबीर और साई पल्लवी पहले ही मुंबई में अपने हिस्से की शूटिंग कर चुके हैं। अब यश ने भी अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक, यश 21 फरवरी को शूटिंग के सेट पर पहुंचे और उन्होंने दो दिन के कॉस्ट्यूम ट्रायल के बाद शूटिंग शुरू की। फिलहाल, उनकी शूटिंग का फोकस युद्ध के दृश्यों पर है, जिसे मुंबई के अक्सा बीच पर फिल्माया जाएगा। इसके बाद फिल्म की आगे की शूटिंग दहिसर के एक स्टूडियो में होगी।

इस फिल्म में युद्ध के दृश्यों को बड़े पैमाने पर फिल्माया जा रहा है। एक्शन कोरियोग्राफी जबरदस्त है। इन दृश्यों में ग्रीन स्क्रीन तकनीक और वीएफएक्स का भी बड़े स्तर पर इस्तेमाल किया गया है। हालांकि, इस चरण में रणबीर कपूर शामिल नहीं होंगे, क्योंकि इसमें राम-रावण के आमने-सामने की लड़ाई का दृश्य नहीं है।

यश इस फिल्म में खास परिधानों में नजर आएंगे, जिन्हें हरप्रीत और रिम्पल ने डिजाइन किया है। खास बात यह है कि उनके कपड़े असली सोने की जरी से बनाए गए हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार रावण का राज्य लंका सोने का नगर माना जाता था इसलिए फिल्म में उनके परिधानों को भी उसी हिसाब से तैयार किया गया है।

'रामायण' को दो भागों में बनाया जा रहा है। पहला भाग दीपावली 2026 में रिलीज होगा, जबकि दूसरा भाग दीपावाली 2027 में आएगा।

रामायण में यश, रणबीर कपूर, साई पल्लवी के साथ लारा दत्ता, सनी देओल और इंदिरा कृष्णा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

झूठी शादी की शपथ की आड़ में दुष्कर्म

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि हर साल झूठी शादी की शपथ की आड़ में कई हजार बलात्कार के मामले दर्ज किए जाते हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अतुल गौतम मामले में 2025 में दिए गए फैसले से यह सवाल उठता है कि न्यायिक व्याख्याएं महिलाओं की स्वायत्तता और कानूनी सुरक्षा को कैसे प्रभावित करती हैं? बलात्कार और सेक्स के लिए सहमति देना स्पष्ट रूप से अलग-अलग है। इन स्थितियों में, न्यायालय को सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि क्या शिकायतकर्ता की पीड़िता से शादी करने की वास्तविक इच्छा थी या उसके कोई छिपे हुए उद्देश्य थे और उसने केवल अपनी वासना को शांत करने के लिए इस आशय का झूठा वादा किया था, क्योंकि बाद वाले को धोखा या छल माना जाता है। इसके अतिरिक्त, झूठा वादा न निभाने और उसे तोड़ देने में अंतर है।

अभियुक्त द्वारा अभियोक्ता को यौन गतिविधि में शामिल होने के लिए लुभाने के इरादे के बिना किया गया वादा बलात्कार के रूप में मान्य नहीं होगा। अभियोक्ता अभियुक्त द्वारा बनाए गए झूठे प्रभाव के बजाय उसके प्रति अपने प्यार और जुनून के आधार पर अभियुक्त के साथ यौन संबंधों के लिए सहमति दे सकती है। वैकल्पिक रूप से, अप्रत्याशित या अनियंत्रित परिस्थितियों के कारण ऐसा करने का इरादा होने के बावजूद अभियुक्त उससे शादी करने में असमर्थ हो सकता है। इन स्थितियों को अलग तरीके से संभालने की जरूरत है। बलात्कार का मामला तभी स्पष्ट होता है जब शिकायतकर्ता का कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा या गुप्त उद्देश्य हो। अतुल गौतम बनाम इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करता है। यह फैसला अपर्णा भट बनाम के विपरीत है।

2021 के मध्य प्रदेश राज्य के फैसले में आरोपी और पीड़ित को द्वितीयक आघात से बचने के लिए जमानत पर रहते हुए संवाद करने से मना किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी के लिए, जमानत की आवश्यकताओं को आरोपी और उत्तरजीवी के बीच संचार के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। यह विचार कि विवाह बलात्कार के लिए एक उपाय है न कि अपराध के लिए सजा, ऐसी जमानत आवश्यकताओं द्वारा पुष्ट होता है, जो सामाजिक समझौते को कानून के शासन से आगे रखता है। रामा शंकर बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2022) में जमानत देते समय इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने प्रतिवादी के खिलाफ अभियोजन पक्ष के मामले को कमजोर कर दिया। उत्तरजीवी को जमानत प्राप्त करने के लिए आरोपी द्वारा विवाह के लिए मजबूर किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कानूनी व्यवस्था के भीतर निरंतर दुर्व्यवहार हो सकता है।

अभिषेक बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2024) ने न्याय की गारंटी देने के बजाय, अभियुक्त को विवाह के वादे के बदले में जमानत देकर एक दबावपूर्ण गतिशीलता बनाई। जो उत्तरजीवी को उचित पुनर्वास सहायता प्राप्त करने के बजाय अभियुक्त पर निर्भर रहने के लिए मजबूर करता है। किशोरों के निजता के अधिकार (2024) में न्यायालय द्वारा उत्तरजीवियों और बच्चों को आवास, शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के राज्य के दायित्व पर प्रकाश डाला गया था। जमानत का उद्देश्य सामाजिक कर्तव्यों को लागू करना नहीं है, बल्कि मामला लंबित रहने तक अस्थायी स्वतंत्रता की गारंटी देना है। न्यायालयों ने पिछले कई निर्णयों में एक पीड़ित के पुनर्वास को विवाह के बराबर माना है, बलात्कार को शारीरिक स्वायत्तता के उल्लंघन के रूप में स्वीकार करने में विफल रहे। न्यायालय महिलाओं की स्वायत्तता को कमजोर करते हुए अपराधियों के साथ विवाह करने के लिए पीड़ितों पर दबाव डालकर कानूनी संरक्षण के तहत दुर्व्यवहार और नियंत्रण को बढ़ावा देते हैं। विवाह को उपाय मानने वाली अदालतें पीड़ित की सहमति की कमी को नजरअंदाज करती हैं, जिसका अर्थ है कि जबरदस्ती को कानूनी रूप से उचित ठहराया जा सकता है।

महिलाओं को लगातार आघात और सुरक्षा जोखिमों के बावजूद अक्सर अपने दुर्व्यवहार करने वालों के साथ %समझौता विवाह' में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हुए, जो महिलाओं की स्वायत्तता और गरिमा की रक्षा करता है, ऐसे निर्णय महिलाओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध संबंधों में मजबूर करके उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, जबरन विवाह अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हैं, जिससे पीड़ितों को न्याय के बजाय अधिक शोषण का सामना करना पड़ता है। ये निर्णय इस धारणा को बनाए रखते हैं कि विवाह यौन हिंसा को हल कर सकता है, इन घटनाओं को गंभीर अपराधों के बजाय नागरिक विवादों में बदल देता है। रिश्ते की जटिलता और धोखाधड़ी के इरादे के बीच अंतर करने के लिए एक अच्छी तरह से कानूनी रणनीति की आवश्यकता होती है। कानूनी सुरक्षा को मजबूत करके और लिंग-संवेदनशील न्यायिक प्रशिक्षण प्रदान करके न्याय किया जा सकता है, जो लैंगिक समानता के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

शब्द सामर्थ्य -089

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

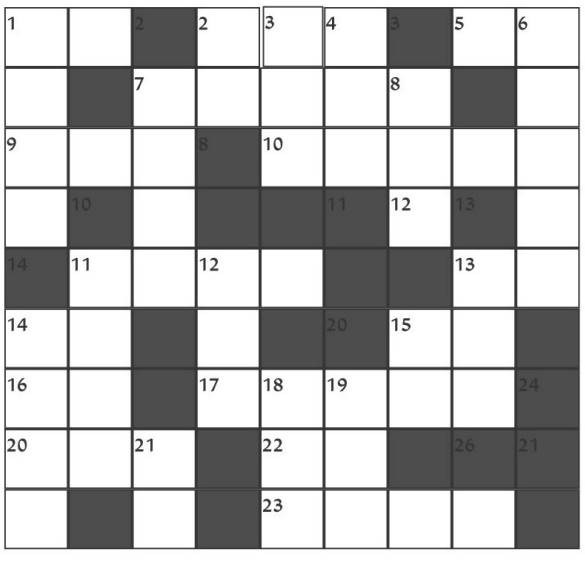

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 088 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

प्राइम वीडियो की नई कॉमेडी सीरीज दुपहिया का एलान

छोटे शहर की अनूठी कहानी को मजेदार अंदाज में पेश करती वेब सीरीज 'दुपहिया' प्राइम वीडियो पर रिलीज के लिए तैयार है। सीरीज में अभिनेता गजराज राव और रेणुका शहाणे दर्शकों को साथ में हंसाते नजर आएंगे। पंचायत के फुलेरा को टक्कर देने प्राइम वीडियो की नई सीरीज दुपहिया आने वाली है, जिसका प्रीमियर 7 मार्च को होगा। 'दुपहिया' की कहानी एक काल्पनिक गांव धडक़पुर पर आधारित है, जो अपराध मुक्त होने के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाला है। हालांकि, गांव की शांति में खलल तब पड़ जाती है, जब एक कीमती दुपहिया (मोटरसाइकिल) चोरी हो जाती है। इस बीच गांव वाले बाइक का पता लगाने के लिए जुट जाते हैं और एक साहसिक अनोखे सफर पर निकल पड़ते हैं।

बॉम्बे फिल्म कार्टेल बैनर के तहत सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी ने इसका निर्माण किया है। वहीं, निर्देशक सोनम नायर हैं। सीरीज की कहानी को अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग ने लिखा है। नौ एपिसोड की सीरीज मनोरंजन से भरपूर बताई जा रही है, जिसमें रेणुका शहाणे, भुवन अरोड़ा, गजराज राव, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। दुपहिया का प्रीमियर भारत के साथ ही 240 से अधिक देशों में 7 मार्च से होगा। शो की घोषणा करते हुए निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ब्रेकिंग न्यूज भारत का एकमात्र अपराध-मुक्त गांव अपने पहले अपराध की रिपोर्ट करता है। कौन ले गया इस सैयां का दुपहिया? जानते हैं?

एक बयान में प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, यह सीरीज कॉमेडी, दिल और भारत के छोटे से शहर के सार को खूबसूरती से मनोरंजन के साथ पेश करती है। रोमांच, मनोरंजन, नए-नए मोड़ के साथ मंझे हुए कलाकारों से लिपटी सीरीज आपसे मनोरंजक होने का वादा करती है।

निर्देशक सोनम नायर ने कहा, दुपहिया को बनाने का सफर शानदार रहा। यह सीरीज कॉमेडी के साथ छोटे शहर की जिंदगी का उत्सव मनाती है।

सीरीज में शानदार कलाकारों की टीम ने एनर्जी, कॉमेडी और मनोरंजन के साथ इसे और भी यादगार बना दिया है। सीरीज का हर एक किरदार कमाल है। मुझे यकीन है कि दर्शक इसके हर हिस्से का उतना ही आनंद लेंगे जितना हमने इसे बनाते समय लिया। मैं 7 मार्च का और भारत और दुनिया भर के दर्शकों को धडक़पुर के लोगों से मिलवाने के लिए उत्सुक हूं। 'दुपहिया' का प्रीमियर भारत में प्राइम वीडियो पर और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में 7 मार्च को होगा। (आरएनएस)

बेटी को बचाने चक्रव्यूह में फंसे सोहम शाह

साल 2024 में 'तुम्बाड' फिल्म की हर तरफ काफी चर्चा हुई थी। इस फिल्म के री-रिलीज वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था। सोहम शाह ने इस फिल्म के जरिए लोगों का दिल जीत लिया था। अब वो अपनी ऑडियंस को एक क्रेजी राइड पर ले जाने वाले हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'क्रेजी' का ट्रेलर जारी हो गया है। ट्रेलर काफी शानदार है और देखकर ऐसा लग रहा है कि सोहम शाह ने एक बार फिर से ऑडियंस का दिल जीतने की तैयारी कर ली है। ट्रेलर की शुरुआत एक वीडियो मैसेज से होती है। सोहम अपनी कार में बैठे हैं और उन्हें धमकी भरा एक वीडियो मैसेज आता है।

सोहम इसमें डॉक्टर अभिमन्यु सूद का किरदार निभा रहे हैं, जो एक अच्छा सर्जन है। धमकी देने वाला उनसे कहता है, डॉक्टर अभिमन्यु सूद आपकी बेटी मेरे पास है। मुझे पांच करोड़ रुपये चाहिए। 2 मिनट 10 सेकेंड के ट्रेलर में आगे दिखाया जाता है कि कैसे अभिमन्यु अपनी बेटी को बचाने के लिए संघर्ष करता है। ट्रेलर का बैकग्राउंड म्यूजिक काफी शानदार है।

लीड रोल में होने के साथ-साथ सोहम शाह इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। उनके साथ मुकेश शाह, अमिता शाह और आदेश प्रसाद भी इस पिक्चर के प्रोड्यूसर हैं। अंकित जैन ने इसे को-प्रोड्यूस किया है। गिरिश कोहली इस फिल्म के डायरेक्टर और राइटर भी हैं। अब देखना होगा कि इस फिल्म के जरिए सोहम पर्दे पर कैसा कमाल दिखाते हैं। ये फिल्म 28 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'तुम्बाड' जब साल 2018 में रिलीज हुई थी तो उस टाइम ये फिल्म फ्लॉप हो गई थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया की मानें तो इस फिल्म का बजट 15 करोड़ रुपये था और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 12.14 करोड़ रुपये की ही कमाई हो पाई थी। साल 2024 में जब इस फिल्म को दोबारा रिलीज किया गया तो 32 करोड़ रुपये की कमाई करके फिल्म ने धमाका कर दिया। (आरएनएस)

ब्लैक शॉर्ट्स पहन अवनीत कौर ने दिखाया कातिलाना लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ फोटोज सामने आई हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

टीवी इंडस्ट्री अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं अवनीत कौर ने ब्लैक कलर का टॉप और ब्राउन कलर के शॉर्ट्स पहने हुए हैं। साथ ही एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के, हाथों में छोटा सा बैग, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस

अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

एक्ट्रेस की इन फोटोज को देखकर फैंस की निगाहें उन पर अटक गई हैं। अवनीत कौर जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइलिश लुक को फॉलो करते हैं।

एक यूजर ने एक्ट्रेस को ट्रोल करते हुए लिखा है- इसको क्या हो गया। दूसरे ने लिखा है- पता नहीं कैसे-कैसे कपड़े पहन लेते हैं। तीसरे यूजर ने लिखा है- बेशर्मी की हद हो गई है। वहीं, कई यूजर्स ने तारीफ भी की है।

अवनीत कौर ने कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए एक से बढक़र एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए एक बार फिर से सोशल मीडिया का टैम्परेचर बढ़ा दिया है।

चुनौतियों का सामना करना जारी रखूंगी :खुशबू राजेंद्र

अभिनेत्री खुशबू राजेंद्र को राहुल कुमार तिवारी और रोलिंग टेल्स प्रोडक्शन के नए शो राम भवन में मुख्य भूमिका ईशा मिश्रा के रूप में लिया गया है। यह नाटक सामाजिक मुद्दों पर गहराई से चर्चा करता है, जो महाकाव्य पौराणिक कथा रामायण से समानताएं दर्शाता है।

हाल ही में एक बातचीत के दौरान खुशबू राजेंद्र ने ईशा मिश्रा की भूमिका की तैयारी के दौरान अपनी चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने खुलासा किया, मुझे कार चलाना नहीं आता था, और मैंने बीच में ही सीख लिया। यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब तक सब ठीक है। उम्मीद है कि मैं आगे भी सीखती रहूंगी, और चुनौतियों का सामना करूंगी और टीम के साथ मिलकर उनसे पार पाऊंगी।

राम भवन से जुडक़र बेहद उत्साहित, उन्होंने कहा, मैं इस प्रोडक्शन हाउस से जुडक़र बेहद रोमांचित हूं, खासकर राहुल सर। पूरी टीम गर्मजोशी से स्वागत करती है और कहानी कहने में बहुत सावधानी बरतती है। वे शूटिंग शुरू होने से पहले ही बारीक विवरणों, खासकर किरदारों के बीच की गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। खुशबू राजेंद्र ने यह भी दावा किया कि राम भवन सिर्फ एक पारिवारिक ड्रामा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह शो आज के समाज से जुड़े विषयों को दर्शाता है, जिसमें घरों के भीतर सत्ता का संतुलन और आधुनिक रिश्तों की चुनौतियाँ शामिल हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया, कहानी आज की दुनिया से गहराई से जुड़ी हुई है। यह वही पुराना ड्रामा नहीं है जो सदियों से दोहराया जाता रहा है। इसके बजाय, यह जटिल, विस्तृत और अच्छी कहानी कहने पर आधारित है। यह शो पौराणिक कथाओं और समकालीन मुद्दों का एक बेहतरीन मिश्रण है। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, रामायण और रामभवन की वर्तमान वास्तविकता के बीच समानताएं इस कहानी को इतना खास बनाती हैं। मेरा किरदार, ईशा, इस घर में रोशनी लाता है और एक आधुनिक सीता का रूप धारण करता है। दर्शकों पर शो के प्रभाव के बारे में अपनी आशा व्यक्त करते हुए खुशबू राजेंद्र ने कहा, मैं रामभवन की दुनिया में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इसमें जुडऩे के लिए बहुत कुछ है, और मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि दर्शक कहानी से कैसे जुड़ते हैं।

संबंधों को सही दिशा और आकार देने की पहल की मोदी-ट्रंप ने

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा पर संपूर्ण विश्व की दृष्टि थी। दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्त्राइली प्रधानमंत्री, जापानी प्रधानमंत्री और जॉर्डन के राजा के बाद प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया था।

मोदी ऐसे चौथे वैश्विक नेता है जिनकी ट्रंप और उनके प्रशासन के साथ विस्तृत बातचीत हुई, समझौते हुए तथा इससे भविष्य के संबंधों का संकेत मिला। टैरिफ यानी सीमा शुल्क को लेकर ट्रंप का रवैया पहले जैसा ही कठोर है। उन्होंने घोषणा किया हुआ है कि रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जो देश उनकी सामग्रियों पर जितना शुल्क लगाता है उतना ही लगाएंगे। उन्होंने अमेरिका के पुराने मित्र और साझेदारों जापान तथा यूरोपीय संघ को भी नहीं बक्शा है। वह केवल भारत को अलग से रियायत देंगे यह मानकर नहीं चलना चाहिए। भारत का नाम लेते हुए उन्होंने कहा था कि वहां शुल्क इतना ज्यादा है कि व्यापार करना कठिन है। संयुक्त पत्रकार वार्ता में भी उन्होंने कहा कि हम 45 अरब डॉलर के भारत से व्यापार घाटे को कम करने की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के अनुचित और बहुत कड़े टैरिफ को घटाने की घोषणा की है, जो भारतीय बाजार में अमेरिकी पहुंच को कम करते हैं। और मैं कहना चाहूंगा कि यह बहुत बड़ी समस्या है। ट्रंप पहले कार्यक्रम में भी इस पर कठोर रहे हैं लेकिन भारत के विरुद्ध शुल्क वाली दंडात्मक कार्रवाई नहीं की।

भारत को द्विपक्षीय व्यापार में सर्वाधिक लाभ अमेरिका के साथ है और वे शुल्क बढ़ाते हैं तो भारतीय सामग्रियों के लिए अमेरिकी बाजार में स्थान बनाना कठिन होगा। हमारा निर्यात घट सकता है और यह अर्थव्यवस्था की दृष्टि से चिंताजनक होगा। किंतु अब केवल अमेरिका नहीं संपूर्ण विश्व को उसके साथ संबंधों के पुनर्संयोजन की आवश्यकता उत्पन्न हो गई है। सत्ता संभालने के साथ ही ट्रंप लगातार आक्रामक होकर अपनी दृष्टि से अमेरिकी हित के संदर्भ में कदम उठा रहे हैं और उनसे अन्य देशों को परेशानी हुई है। हम यह मानकर नहीं चलें कि प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से भारत और विश्व की दृष्टि से सकारात्मक उपलब्धियां नहीं हुई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में जिस तरीके से मोदी का स्वागत किया वैसा पूर्व के तीन नेताओं का नहीं हुआ। ट्रंप ने कहा भी कि मुझे आपकी कमी यहां महसूस हो रही थी। जहां तक प्रतिक्रियात्मक शुल्क का प्रश्न है तो ऐसा लगता नहीं कि अमेरिकी प्रशासन ने अभी तक उसका सही आकलन और रूपरेखा निर्धारित किया है। माना जा सकता है कि हमारे पास अपने हितों को सुरक्षित रखने का रास्ता खत्म नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त प्रेस वार्ता मुक्त व्यापार समझौते पर जल्दी पहुंचने की बात की और इसी वर्ष पूरा होने का संकेत दिया। वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार 129.2 अरब डॉलर है, 2030 तक इसे 500 अरब डॉलर तक ले जाने का संकल्प मोदी ने व्यक्त किया। ट्रंप ने भारत का नंबर एक तेल और गैस आपूर्तिकर्ता देश बनने पर मोदी के साथ बातचीत की चर्चा की। इस तरह भारत ने रास्ता निकाला है।

संभवतः उन्हें बताया है कि आप शुल्क लगाकर अपना नुकसान पहुंचाएंगे क्योंकि हम बड़े खरीदार हैं। जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी कि साझा उत्पादन, तकनीक आदि के मामले में हम रक्षा साझेदार हैं और सबसे बड़ी बात कि गैस और तेल हम आपसे खरीदेंगे। इसमें समस्या भी नहीं है। कहीं से हमको लेना है तो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और लाभ वाले ऐसे देश से, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक समस्याओं से निपटने में सहयोग कर सकता है उससे खरीदने मे समस्या नहीं है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा हाइड्रोकार्बन खरीद में विविधता बढ़ेगा, कुछ देशों पर निर्भरता में कमी आएगी।। आर्टफशियल इंटेलिजेंस जैसे नये उभर रहे क्षेत्र में सहयोग द्विपक्षीय एवं वैश्विक व्यवस्था की दृष्टि से हमारे लिए लाभकारी है। एक महत्त्वपूर्ण बात भारत मध्य पूर्व यूरोपीय आर्थिक गलियारा पर अमेरिका की हरी झंडी है। यह हमारे लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इससे ईरान स्थित चाबाहार बंदरगाह सुरक्षित हो सकता है। अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन चाबहार उन्होंने विदेश मंत्री मार्क रु बियो पर छोड़ दिया है। यह मार्ग चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का प्रत्युत्तर है। इससे हमारे दूरगामी व्यापारिक एवं सामरिक हित सधने वाले हैं। बोस्टन ओर लॉस एंजेलिस में दो नये दूतावास खोलने की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। इससे पता चलता है कि अमेरिका में भारत की राजनयिक, आर्थिक और दोनों देशों के नागरिकों के बीच अंतर्संवाद का काफी विस्तार हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख अधिकारियों और नेताओं से भी मुलाकात की जिनमें अमेरिकी खुफिया सेवाओं की निदेशक तुलसी गबार्ड, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज एवं डिपार्टमेंट आफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के प्रमुख एलन मस्क शामिल हैं। इन सबका असर सुरक्षा एवं अन्य मामलों में आने वाले समय में धीरे-धीरे दिखाई देगा। रूस-यूक्रेन के बीच तनाव घटाने पर ट्रंप सक्रिय हैं और इसमें हमारा भी हित है क्योंकि रूस पर लगे प्रतिबंधों से समस्याएं बढ़ी हुई हैं। हिन्द-प्रशांत में हिन्द महासागर पहल की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। ट्रंप स्वतंत्र एवं मुक्त हिन्द प्रशासन क्षेत्र की बात करते हुए कहते रहे हैं कि भारत क्षेत्र की महाशक्तिहै और भारत की साझेदारी को हमेशा महत्त्व दिया है। भारत की सुरक्षा की दृष्टि से इस यात्रा की दो महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां है। संयुक्त वक्तव्य में सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का स्पष्ट नाम लिया गया है तथा 2008 के मुंबई हमले के अपराधियों को सजा देने की भी मांग है।

प्रधानमंत्री की यात्रा की पूरी तैयारी कर कर जाते हैं और इसमें उनकी भाषा और शब्दचयन भी शामिल है। उन्होंने संयुक्त पत्रकार वार्ता में ट्रंप की %मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी %मागा' की चर्चा करते हुए कहा कि मैं इस नाते उनका प्रशंसक हूं। उसी तरह भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए मैं भी %मेक इंडिया ग्रेट अगेन' पर काम कर रहा हूं। इस यात्रा के बाद आर्थिक ,सामरिक एवं रणनीतिक संबंध व साझेदारी पर बनी व्यापक सहमति से पता चलता है कि भविष्य की दृष्टि से दोनों नेताओं ने संबंधों को सही दिशा और आकार देने की पहल की है और इसके अच्छे परिणाम आएंगे।

छावा बनी विक्की कौशल की सबसे कमाऊ फिल्म

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर हिस्टोरिकल पीरियड ड्रामा फिल्म छावा बॉक्स ऑफिस पर दिन ब दिन हुंकार भर रही है। छावा बीती 14 फरवरी को रिलीज हुई थी। छावा ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 400 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुकी है। छावा विक्की कौशल के करियर की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब तक की सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है। अभी तक विक्की के करियर की सबसे कमाऊ फिल्म उरी- द सर्जिलकल स्ट्राइक थी।

बता दें, छावा को लक्ष्मण उटेकर ने डायरेक्ट किया है। इससे पहले लक्ष्मण ने विक्की के साथ फिल्म जरा हटके जरा बचके बनाई थी, जो हिट साबित हुई थी। फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज का रोल प्ले किया है। रश्मिका मंदाना ने संभाजी महाराज की पत्नी येसूभाई भोसले के किरदार निभाया है। अक्षय खन्ना को फिल्म में पूर्व मुगल बादशाह औरंगजेब के किरदार में देखा जा रहा है।

सू- दोकू क्र.089

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.088 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

डिजिटल अरेस्ट रोकने के व्यापक उपाय हो

हिमानी बिंजोला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में डिजिटल गिरफ्तारी और धोखाधड़ी पर चिंता जताई थी, उन्होंने कहा कि ये धोखेबाज फोन कॉल करते हैं और पुलिस, केंद्रीय जांच ब्यूरो, नारकोटिक्स और कभी-कभी भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों का रूप धारण कर लेते हैं। वे इस तरह के विभिन्न लेबल का इस्तेमाल करते हैं और बहुत आत्मविश्वास से भरे नकली अधिकारी के रूप में बात करते हैं। प्रधानमंत्री ने डिजिटल अरेस्ट के बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि इन साइबर ठगों के पास अपने टारगेट का पूरा डाटा यानी सारी जानकारी होती है। इसी जानकारी के बल पर वो डराते हैं और लोग इनके झांसे में आ जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी को भी डरने की जरूरत नहीं है। कोई भी केंद्रीय या राज्य सरकार की एजेंसी या बैंक इस तरह के कॉल नहीं करते। ऐसे कॉल आने पर तुरंत कॉल डिस्कनेक्ट करें और फोन बंद कर लें। दरअसल,जागरूकता के साथ निर्भय होकर ही इस तरह की ठगी को रोका जा सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में इस बार बिल्कुल सही मुद्दा उठाया है। दरअसल डिजिटल अरेस्ट और साइबर क्राइम एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया है। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री ने लोगों को जागरूक करने का काम किया और उन उपायों के बारे में भी बताया जिनके माध्यम से साइबर ठगों से बचा जा सकता था। निसंदेह इस समस्या से निपटने में लोगों की जागरूकता सहायक सिद्ध होगी लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से आम लोगों को उस तरह से जागरूक नहीं किया जा रहा, जैसी की जरूरत है। इसका पता इसी से चलता है कि अच्छे खासे पढ़ें लिखे लोग भी साइबर ठगों के शिकंजे में फंस रहे हैं। यह ठीक है कि इंटरनेट मीडिया पर लोगों को जागरूक करने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। अभी तक डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर लोगों को ठगने वालों से आगाह करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से सिर्फ एक विज्ञापन जारी किया जा सका है। यह समझने की जरूरत है कि लोगों को केवल जागरूक करने से ही बात बनने वाली नहीं है, क्योंकि साइबर ठग बहुत बेलगाम हैं। पहले वो लोगों को प्रलोभन देकर अथवा वित्तीय लेनदेन संबंधी आवश्यक जानकारी मांग कर ठगते थे,लेकिन अब ये ठग लोगों को डरा धमकाकर ठगने का काम कर रहे हैं। इसी क्रम में डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी जाती है। प्रारंभ में यह धमकियां पुलिस,कस्टम और सीबीआई अधिकारी बन कर दी जाती हैं। फिर आईडी, नारकोटिक्स और ऐसी ही अन्य एजेंसियों की आड़ लेकर लोगों को ठगा जाने लगा है। इससे भी आगे बढकर अब तो स्थिति यह है कि फर्जी अदालत लगाकर लोगों को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी लेकर भी ठगी की जा रही है। स्पष्ट है कि साइबर ठगों का दुस्साहस हद से अधिक बढ़ गया है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी एजेंसियां उन तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

यह ठीक है कि डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाने वाले ज्यादातर दूसरे देशों के फोन नंबर का इस्तेमाल करते हैं लेकिन ये हमारे देश के अंदर ही सक्रिय होते हैं। उनकी धमकियों से डर कर जो लोग विभिन्न खातों में राशि भेजते हैं वो खाते भी भारत के होते हैं। यदि इसके बावजूद सुरक्षा एजेंसियां साइबर ठगों को अपने शिकंजे में नहीं ले पा रही हैं,तो इसे उनकी नाकामी ही कहा जाएगा। साइबर ठगों की बढ़ती सक्रियता अधिक गंभीर समस्या बने इसके पहले पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को उन पर काबू करना होगा। पिछले कुछ समय से विमान में बम रखने की जो फर्जी धमकियां मिल रही हैं। इससे भी यही पता चलता है कि साइबर संसार के अपराधी तत्व बेलगाम हैं। हकीकत तो यह है कि अभी हमारी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां साइबर अपराध को रोकने के लिए मुकम्मल तंत्र विकसित नहीं कर पाई हैं। निचले पुलिस अधिकारी और पुलिस थानों का स्टाफ साइबर सुरक्षा के मामले में बिल्कुल भी प्रशिक्षित नहीं है। जाहिर है पुलिस को आधुनिक संसाधनों और प्रशिक्षण की बेहद जरूरत है।

सीएम ने किया कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस लाइन में पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून पुलिस लाइन में पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण किया और भर्ती के लिए आए युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून से भर्ती प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने भर्ती में शामिल युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन करने को कहा। मुख्यमंत्री ने भर्ती प्रक्रिया की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। इस अवसर पर उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

शहादत भरा अपना इतिहास जानना बहुत जरूरी : पंत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कथाकार सुभाष पंत स्कूलों के पाठ्यक्रम में राज्य आंदोलन को शामिल करने के फैसले से बेहद खुश हैं। वह इसे अच्छा कदम बताते हैं। कहते हैं-शहादत भरे इतिहास की जानकारी हमारे बच्चों को होनी ही चाहिए। उन्हें अपनी विभूतियों के बारे में भी जानना चाहिए।

राज्य सरकार के उत्तराखंड भाषा संस्थान ने एक दिन पहले ही सुभाष पंत को उत्तराखंड साहित्य भूषण सम्मान-2024 से नवाजा है। यह संयोग है कि एक दिन पहले ही राज्य सरकार ने उत्तराखंड आंदोलन को स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल करने के फैसले पर मुहर लगाई है। पंत इस संयोग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। कहते हैं-यह निर्णय वास्तव में बहुत अच्छा है। वह साहित्यकारों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए की गई घोषणाओं पर भी खुश हैं। कहते हैं-किसी भी क्षेत्र की पहचान साहित्यकारों से ही होती है। अपनी बात के समर्थन में वह रवींद्र नाथ टैगौर और बंगाल का जिक्र भी करते हैं। कहते हैं-साहित्यकारों की आर्थिक मजबूती पर भी ध्यान जा रहा है, यह अच्छी बात है। सुभाष पंत की कृतियों की लंबी फेहरिस्त है। एक रात का फासला, छोटा हुआ आदमी, एक का पहाड़ा, पहाड़ चोर, मुन्नी बाई की प्रार्थना, पहाड़ की सुबह, सुबह का भूला, सिंगिंग बेल, इक्कीसवीं सदी की एक दिलचस्प दौड़ जैसी कृतियों ने उन्हें विशेष पहचान दिलाई है। एक बातचीत में उन्होंने कहा-कैसा भी दौर रहा हो, सृजन कभी रूकता नहीं है। यात्रा हमेशा आगे ही बढ़ती है, पीछे नहीं लौटती। वह कहते हैं-नए साहित्यकारों को अब मंच मिल रहा है। यह शुभ संकेत हैं। वह बातचीत में उत्तराखंड भाषा संस्थान की तारीफ भी करते हैं। कहते हैं-वहां क्रिएटिव लोगों के आने के बाद से माहौल बदल रहा है।

❑सुभाष पंत को मिला है उत्तराखंड साहित्य भूषण सम्मान

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लिए...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

स्थल, प्राचीन कालीन शिव मंदिर के सौन्दर्याकरण हेतु 103.50 लाख, जनपद चम्पावत के हनुमान मंदिर मेला स्थल, लधौली, ऐडी मेला स्थल, कालूखाण एवं फुटलिंग मेला स्थल, कालूखान का सौन्दर्याकरण किये जाने हेतु 83.61 लाख, विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट की ग्राम पंचायत भण्डारी गांव में जनमिलन केन्द्र का निर्माण किये जाने हेतु 55.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने राजकीय नर्सिंग संस्थान, कोठगी रूद्रप्रयाग में आवासीय भवनों के अतिरिक्त आन्तरिक/बाह्य विद्युत एवं जलापूर्ति का प्राविधान, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, भूमिगत वाटर टैंक, सोलर वाटर हीटर, सड़क, चाहरदीवारी एवं परिसर हेतु आवश्यक जल तथा सीवर व्यवस्था इत्यादि के लिए 791.79 लाख, विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट में लछैर महाकाली मंदिर का जीर्णोद्वार एवं विकसित किये जाने हेतु 80.39 लाख तथा देवीधुरा जिला चम्पावत मुख्य बाजार से महाविद्यालय को जाने वाली सड़क मार्ग 500 मीटर के हिस्से में इंटर लॉकिंग टाईल्स लगवाये जाने हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में 56.30 लाख धनराशि की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

गैंगस्टर एक्ट में फरार दो ईनामी बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे दस-दस हजार रूपये के दो ईनामी बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के गैंग लीडर को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली बागेश्वर पुलिस द्वारा संगठित अपराधियो की पहचान कर तीन आरोपी जो संगठित अपराध करने के आदी थे के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये कोतवाली बागेश्वर में आरोपी आरोपी हिमांशु मेहता उर्फ हेमू पुत्र गोपाल सिंह, नीरज कपकोटी पुत्र आनन्द सिंह कपकोटी और दीपक खेतवाल पुत्र कुन्दन सिंह खेतवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उक्त मुकदमें में हिमांशु मेहता उर्फ हेमू उक्त गिरोह का सरगना है जिस पर हत्या सहित संगीन मामले दर्ज हैं। आरोपी हिमांशु मेहता थाना कपकोट में दर्ज मुकदमे के तहत पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। तीनो आरोपी सगंठित अपराध करने के आदी हैं। जिन पर मारपीट/एनडीपीएस एक्ट के मुकदमें दर्ज है।

कोतवाली बागेश्वर में दर्ज मुकदमा गैंगस्टर एक्ट से सम्बन्धित आरोपी नीरज कपकोटी व दीपक खेतवाल जो शातिर किस्म के अपराधी थे जो अपनी गिरफ्तारी से बच रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया तथा उन पर 10-10 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया। जिन्हे कड़ी मशक्कत के बाद देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है।

आंदोलन के इतिहास का पाठ्यक्रम लागू करने पर समिति ने की प्रशंसा

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने उत्तराखण्ड आंदोलन के इतिहास का पाठ्यक्रम में लागू करने की प्रशंसा की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने आज एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश की धामी सरकार की भूरी भूरी प्रशंसा की है जिसमें उन्होंने उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास का पाठ्यक्रम लागू करने का एक साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा है कि बच्चों को यह पता चल सकेगा कि किस प्रकार हमारे पूर्वजों ने लड़ाई लड़कर और अपने प्राणों की आहुति देकर राज्य की लड़ाई लड़ी और राज्य प्राप्त किया। डंडरियाल और वारसी में उम्मीद ही नहीं विश्वास भी जताया है कि सरकार उत्तराखंड आंदोलन के पाठ्यक्रम को इसी शिक्षा सत्र में लागू कराएगी।

12 साल से फरार चल रहा वन्य जीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 12 साल से फरार चल रहे वन्य जीव तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार वन्य जीव तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए वर्ष 2013 में रमेश रावत व अब्बल सिंह को 3 गुलदारों की खाल जिसकी कीमत करीब 35 लाख रुपये थी, के साथ दबोचकर थाना श्यामपुर में मुकदमा दर्ज कर उन्हे जेल भेज दिया गया था। मामले में न्यायालय से जमानत मिलने के बाद से आरोपी अब्बल सिंह न्यायालय में उपस्थित न होकर 12 वर्षों से स्थान बदल- बदलकर लगातार फरार होकर पुलिस से छिप रहा था। पुलिस द्वारा फरार चल रहे अब्बल सिंह की चल-अचल संपत्ति कुर्क करने के लिए न्यायालय से आदेश भी प्राप्त किया गया था। बीते 1 मार्च से जनपद हरिद्वार में चलाये गये अभियान वांछितों/ईनामी/वारण्ट की गिरफ्तारी अभियान के क्रम में थाना श्यामपुर ने तलाश के लिए प्रयास करते हुए एक सूचना के बाद बीती शाम अब्बल सिंह को कर्णप्रयाग बाजार जनपद चमोली से हिरासत में लिया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

डेढ़ साल से फरार ईनामी नकबजन गिरफ्तार, ज्वैलरी बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। डेढ़ साल से फरार चल रहा 10 हजार के ईनामी नकबजन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से दो चोरियों का माल बरामद किया गया है।

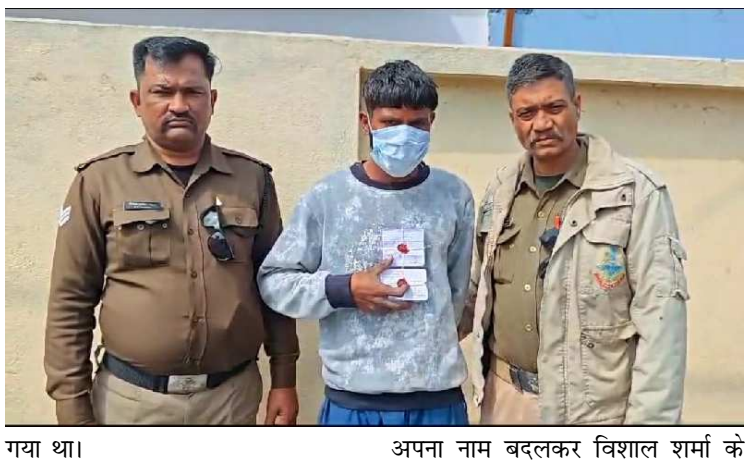

जानकारी के अनुसार बीती 25-10-23 को सुरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. बुद्धि सिंह निवासी तिलक विहार, निगम रोड, सेलाकुई द्वारा थाना सेलाकुई में तहरीर देकर बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर का ताला तोडकर नगदी व ज्वैलरी चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी।

मामले में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना में सम्मिलित 1 आरोपी बंटी शर्मा पुत्र पप्पू शर्मा निवासी अजीवाला बस्ती, थाना पौंटा साहिब सिरमौर हिमाचल प्रदेश को घटना में चोरी गई नगदी व ज्वैलरी के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

जिसने पूछताछ में घटना मे एक अन्य आरोपी जितेन्द्र शर्मा पुत्र स्व. करनैल सिंह निवासी हरियाणा के शामिल होने की जानकारी मिली। जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार दबिशें दी जा रही थी। जिस पर 10 हजार का ईनाम घोषित किया गया था।

आरोपी जितेन्द्र शर्मा के बारे में पुलिस को पता चला कि वह भटिंडा में अपना नाम बदलकर विशाल शर्मा के नाम से रह रह है। जिस पर पुलिस ने उसे वहा जाकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जिसने पूछताछ में बताया कि उसके द्वारा सेलाकुई के अतिरिक्त कोतवाली नगर क्षेत्र में भी नकबजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसकी निशानदेही पर उसके कब्जे से उक्त दोनो घटनाओं में चोरी की गई ज्वैलरी बरामद की गई है।

एक नजर

वनतारा में शेर के शावक को दुलारते दिखे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जामनगर में स्थित वनतारा वन्यजीव बचाव केंद्र का दौरा किया। अब इस दौरे का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह शेर के शावक को दुलारते हुए नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने वनतारा में अलग-अलग सुविधाओं का जायजा लिया और वन्यजीव अस्पताल का भी दौरा किया। उन्होंने पशु चिकित्सा सुविधाओं को भी देखा। बता दें कि यहां जानवरों के लिए एमआरआई, सीटी स्कैन, आईसीयू और दूसरी कई सुविधाओं हैं। वनतारा में जानवरों के लिए वन्यजीव एनेस्थीसिया, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, एंडोस्कोपी, दंत चिकित्सा, आंतरिक चिकित्सा सहित कई विभाग हैं। अपनी विजिट में पीएम मोदी ने एशियाई शेर के शावकों, सफेद शेर के शावकों, क्लाउडेड तेंदुए के शावकों सहित कई जानवरों को दुलार किया। यहां खास बात यह है कि यह सभी दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति के जानवर हैं। बता दें कि वनतारा मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पहल है। गुजरात के जामनगर में इसका 3 हजार एकड़ के क्षेत्रफल में इसे बनाया गया है। श्वनताराश स्टार ऑफ दी फॉरेस्ट के तहत जानवरों को रेस्क्यू कर उनकी देखभाल की जाती है। यह एक तरह से जानवरों के संरक्षण और बचाव का केंद्र है। वनतारा में 2 हजार से ज्यादा प्रजातियां और 1।5 लाख से ज्यादा बचाए गए विलुप्त होते संकटग्रस्त जानवर रहते हैं।

टायर फटने से पलटी कार- 3 छात्राओं की मौत, 11 घायल

महराजगंज । उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में मंगलवार सुबह सिकंदराजीतपुर में धानी-फरेंदा मार्ग पर टायर फटने के कारण एक कार के पलटने की घटना में तीन छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई तथा 11 अन्य छात्राएं घायल हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायलों में से छह की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि अलग-अलग विद्यालयों की 14 छात्राएं सुबह कार से बोर्ड परीक्षा देने जा रही थीं। जिले के फरेंदा थाना क्षेत्र के सिकंदराजीतपुर में धानी-फरेंदा मार्ग के पास उनकी कार का टायर अचानक फट गया और वह अनियंत्रित होकर पलट गयी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब धानी के महेश राम अशोक कुमार गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राएं बोर्ड परीक्षा देने जा रही थीं। घायलों में छह छात्राओं की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि कई अन्य को मामूली चोटें आई हैं। फिलहाल घायल छात्राओं को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कार सवार चांदनी पटेल (15), गायत्री गौड़ (17) और प्रीति (16) की मौत हो गयी। घटना में वाहन चालक और 11 अन्य छात्राएं घायल हो गईं। सभी को धानी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उनमें से छह गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने बताया कि मृत छात्राओं के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये गये हैं।

महाराष्ट्रः मंत्री धनंजय मुंडे ने दिया इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका नाम सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड से जुड़े मामले में सामने आ रहा था। इस हत्याकांड में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को मास्टरमाइंड माना जा रहा है। धनंजय मुंडे के इस्तीफे को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया, धनंजय मुंडे ने मुझे अपना इस्तीफा सौंप दिया है, जिसे राज्यपाल के पास भेज दिया गया है। हालांकि, स्वास्थ्य समस्याओं को इस्तीफे का कारण बताया गया है। संतोष देशमुख हत्याकांड मामले की जांच के दौरान चार्जशीट का एक हिस्सा सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वाल्मिक कराड के साथियों को सरपंच संतोष देशमुख की हत्या करते हुए दिखाया गया था। यही तस्वीरें इस्तीफे के दबाव की बड़ी वजह बनीं। इससे पहले चार्जशीट का एक हिस्सा 3 मार्च को मीडिया में वायरल हो गया, जिसमें वाल्मीक कराड के साथियों द्वारा संतोष देशमुख की हत्या करने की तस्वीरें दिखाई गईं। इन तस्वीरों और वीडियो के सामने आने के बाद महाराष्ट्र में भारी विरोध शुरू हो गया। मराठा संगठनों ने बीड जिले में बंद का आह्वान किया। जनाक्रोश बढ़ने पर धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग तेज हो गई।

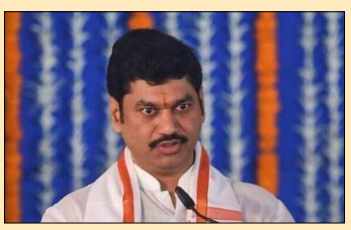

महाकुंभ से लौटने पर एसडीआरएफ जवानों का सीएम ने किया अभिनंदन

हमारे संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार कुंभ में प्रयागराज महाकुंभ के अनुभव काम आयेंगे। एसडीआरएफ टीम ने महाकुंभ में अपनी दक्षता का कुशल परिचय देकर उत्तराखंड का मान बढ़ाया है। यह बात सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सीएम आवास में एसडीआरएफ के 112 कार्मिकों के वापस आने पर आयोजित महाकुंभ प्रयागराज 2025 अभिनन्दन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर उन्होंने एसडीआरएफ की टीम को पुरस्कार स्वरूप 5 लाख रुपए का चेक भी सौंपा।

❑एसडीआरएफ को 5 लाख का चेक किया प्रदान

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ प्रयागराज में बेहतर सेवाएं देने पर एसडीआरएफ की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये अनुभव हरिद्वार के 2027 कुंभ में काम आयेंगे। जिससे कुंभ को भव्य रूप से आयोजित करने में मदद भी मिलेगी। इस महाकुंभ से हमारे जवानों का आत्मविश्वास बढ़ा है तथा वह भीड़ का कुशल प्रबंधन करने में सफल होंगे।

सीएम धामी ने कहा कि सनातन धर्म के महासंगम की चुनौती को संभालना चुनौतीपूर्ण कार्य था। बेहतर व्यवस्थाओं और प्रबंधन से यूपी के साथ ही उत्तराखंड सरकार का सर ऊंचा हुआ है। यही अनुभव 2027 के कुंभ में मददगार साबित होंगे। हमारा प्रयास है कि वाहनों के लिए सुनियोजित पार्किंग व्यवस्था हो जिसके लिए सरकार पूरी तरह से प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों और आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। इन चुनौतियों से पार पाने के लिए एसडीआरएफ द्वारा सराहनीय कार्य किए गए हैं। श्रेष्ठ आपदा प्रबंधन में एसडीआरएफ की अहम भूमिका रही है। आपदा प्रबंधन के लिए क्विक रिस्पॉन्स और अत्याधुनिक उपकरणों से राज्य में आपदा के प्रभाव को कम करने में काफी मदद मिली है। इस मौके पर उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति विनय रोहिला, सचिव गृह शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, एडीजी अमित सिन्हा, वी मुरुगेशन, ए. पी अंशुमन, सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन, आईजी एसडीआरएफ श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, कमांडेंट एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी सहित एसडीआरएफ के अधिकारी और जवान उपस्थित थे।

कार की चपेट में आकर साईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर साईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चकराता निवासी प्रताप जोशी ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका चचेरा भाई बारूदत्त जोशी साईकिल से लांघा रोड पर जा रहा था जब वह एमएस एलेस्टोन कम्पनी के सामने पहुंचा तभी सामने से आ रही आल्टो कार के चालक ने तेजी व लापरवाही से कार चलाते हुए उसके भाई को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रेश्वर नगर मायाकुण्ड निवासी राजेन्द्र सिंह जेठुडी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

3 दिन दुर्गम क्षेत्र में प्रवास करेंगे डीएम

संवाददाता

देहरादून। डीएम सविन बंसल का मार्च के तीसरे सप्ताह में जनपद के दुर्गम क्षेत्र त्यूनी, चकराता में 03 दिन का प्रवास कार्यक्रम प्रस्तावित है इस दौरान डीएम सभी अधिकारियों के साथ क्षेत्रवासियों की समस्या के निस्तारण हेतु वृहद्धस्तर पर बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा।

आज यहां सीएम की प्राथमिकता दुर्गम क्षेत्र में पहुंचे निवेश को जिला प्रशासन मूर्तरूप देने में जुट गया है। फलस्वरूप डीएम सविन बंसल का मार्च के तीसरे सप्ताह में जनपद के दुर्गम क्षेत्र त्यूनी, चकराता में 3 दिन का प्रवास कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस दौरान डीएम सभी अधिकारियों के साथ क्षेत्रवासियों की समस्या के निस्तारण हेतु वृहद्धस्तर पर बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा।

कोटी कनारस में 200 नव गठित वन पंचायतों कान्क्लेव, हनोल मंदिर परिसर में स्थानिकों, पुरोहितों के साथ मन्दिर के मास्टर प्लान, विस्तारीकरण के सम्बन्ध में स्थानिकों के हित एवं सुझाव आदि समुचित विषय पर विमर्श किया जाएगा।

इसी दौरान डीएम कोटी कनासर में 200 नवनिर्मित वन पंचायत के कान्क्लेव में शामिल होंगे वन पंचायतों को जिला प्रशासन स्तर से प्रथमबार आपदा मद से धनराशि प्रदान की जा रही है। इससे वन पंचायतों के सुदृढीकरण से जहां वनाग्नि को राकने में मदद मिलेगी वहीं फायर वाचर की क्षमता भी बढेगी। यह पहला अवसर है जब कोई डीएम दुर्गम क्षेत्र में 03 दिन प्रवास कर क्षेत्र वासियों की समस्या सुनगें। इस दौरान वृहद्धस्तर पर बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जहां पेंशन, स्वास्थ्य जांच विभिन्न प्रमाण पत्र आदि कार्य मौके पर ही निस्तारित किए जाएगें।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।